गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार

ग्रामीण क्षेत्रों निवास करने वाले समस्त परिवारों का सर्वेक्षण वर्ष 2003 में घर घर जाकर किया गया। यह सर्वेक्षण प्रत्येक परिवार के शैक्षणिक, व्यवसायिक एवम् जीवन स्तर के कुल 13 संकेतकों पर आधारित था। प्रत्येक संकेतक को बदतर से बेहतर, पॉच श्रेणियों में विभाजित कर सभी ग्रामों में सर्वेक्षित परिवारों को प्राप्तांक के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। बीपीएल सर्वे–2003 में किए गए सर्वेक्षण अनुसार कुल 14 तक अंक प्राप्त करने वाले परिवारों को बीपीएल सूची भाग 'अ' अनुसार तैयार सूची का द्वितीय प्रकाशन दिनांक 16 मार्च, 2006 से प्रत्येक ग्राम पंचायत मूख्यालय पर कर दिया गया है। यह सूची वर्ष 2006–07 से प्रभावशील हो जाएगी।

14 तक अंक प्राप्त करने वाले परिवार की सूची भाग – अ –जनपद वार

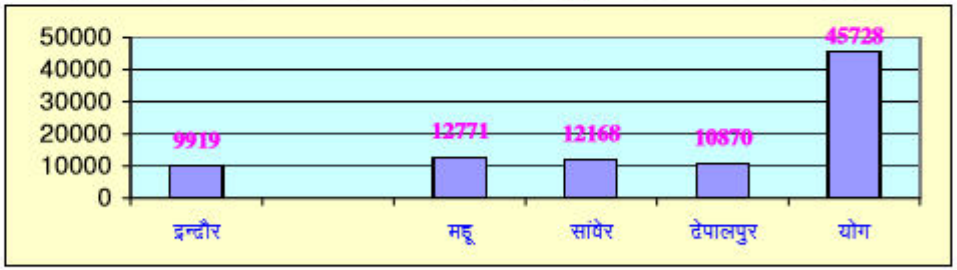

इन्दौर	महू	सांवेर	देपालपुर	योग
9919	12771	12168	10870	45728

जनपद वार 14 तक अंक प्राप्त करने वाले सामाजिक वर्गवार विभाजन

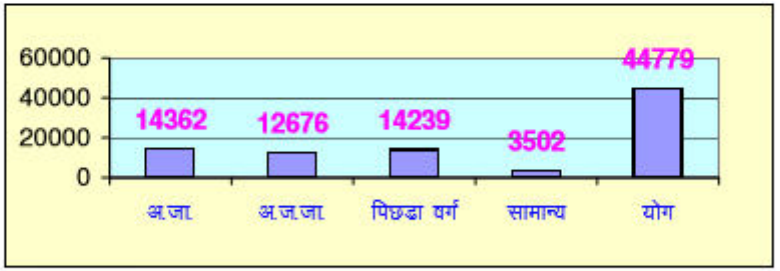

अ.जा.	अ.ज.जा.	पिछडा वर्ग	सामान्य	योग
14362	12676	14239	3502	44779

ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता का प्रमुख कारण 81.77 प्रतिशत परिवारों के पास भूमि उपलब्ध नहीं होना है। गॉवों में कृषि के अलावा वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या एवम् शहरी क्षेत्र के निवासियों एवम् उद्यमियों का ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य के रूझान ने समस्या को व्यापकता दी है। वर्ष 2003 में किए गए बीपीएल सर्वे अनुसार कुल परिवारों के आधार पर 0 से 14 अंक तक प्राप्तांक वाले परिवारों का प्रतिशत एवं वर्ष 1997–98 की सर्वे सूची के परिवारों के प्रतिशत का तुलनात्मक चार्ट निम्नानुसार है :–

जिले में गरीबी की रेखा के निर्धारण हेतु कुल सर्वेक्षित ग्रामीण परिवार की सारणी							
क्र	विकास खण्ड का नाम	कुल ग्रामों की संख्या	कुल परिवारों की संख्या	कुल सर्वेक्षित परिवारों की संख्या	विकास खण्ड के ग्रामों में सर्वेक्षित परिवारों को प्राप्तांक के आधार पर संख्या	वर्ष 1997.98 में सर्वेक्षण की स्थिति	
					प्राप्तांक 0 से 14 तक की सूची भाग ´ अ	सर्वेक्षित परिवारों की संख्या	कुल बीपीएल परिवारों की संख्या
1	इन्दौर	157	50016	50016	11567	38015	6373
2	महू	174	37090	37090	15631	31348	9833
3	सांवेर	147	33221	33221	16576	27749	6248
4	देपालपुर	173	31801	31801	11691	28488	5670
	योग	651	152128	152128	55465	125600	28124
कुल सर्वेक्षित परिवारों से प्रतिशत			17.44%		36.46%		22.39%

>> वर्ष 1997 में ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत कुल 125600 से बढकर 152128 परिवार हो गए । इस प्रकार पॉच वर्षो में 17.44 प्रतिशत परिवार बढ़ गए ।

>> वर्ष 1997–98 के सर्व अनुसार 28124 बीपीएल परिवार थे। अब शासन निर्देशानुसार भाग–अ अनुसार 49759 परिवार हो गए हैं, जो कुल परिवार 152128 का 32.71 प्रतिशत हो गया है। यह सूची दिनांक 01 अप्रेल, 06 (वर्ष 2006–07) से प्रभावशील हो गई है। सूची के संबंध में आपत्तियॉ निरन्तर तब तक प्रस्तुत की जा सकेगी, जब तक कि यह सूची प्रभावशील रहेगी। माह मार्च 2010 अंत तक कुल 19544 दावे प्राप्त हुऐ जिनमे से 19459 का निराकरण किया गया। वर्तमान में 85 आवेदन लंबित है। 9737 नाम जोडे गये है इस प्रकार बी.पी.एल. परिवार की संख्या 45728 से बढ़कर 55465 हो गई है।

बी.पी.एल. दावा आपत्तियों की जानकारी

वर्ष 2012–13 रिपोर्टिंग माह– नवम्बर 2012

क्र.	जनपद पंचायत का नाम	बी.पी.एल. सर्वे 2003 में पात्र परिवार संख्या	दावा आपत्ति के पश्चात जोड़े गये नामों की संख्या	योग (3+4)	दावा आपत्ति के पश्चात काटे गये नाम(अपात्र) संख्या	शेष परिवार में से					
						अ.जा.	अ.ज.जा.	महिला	सामान्य पि.वर्ग	विकलांग	अल्प संख्यक
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*	*7*	*8*	*9*	*10*	*11*	*12*
1	इन्दौर	9730	2701	12431	0	4397	3501	1960	3772	0	717
2	सांवेर	11894	6246	18140	411	8667	1347	0	7183	0	532
3	महू	11236	5728	16964	0	2826	9215	1959	4923	252	570
4	देपालपुर	10321	3412	13733	9	4806	1405	1786	6965	19	566
	योग	**43181**	**18087**	**61268**	**420**	**20696**	**15468**	**5705**	**22843**	**271**	**2385**

जिले में बी.पी.एल. दावा आपत्ति उपरांत जोड़े गये परिवारों की अद्यतन जानकारी प्रेषित हैं ।